भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †78

सोमवार, 22 जुलाई, 2024/31 आषाढ़, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

केरल में नई पर्यटन सर्किट परियोजनाएं

†78. **एडवोकेट अदूर प्रकाशः**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत केरल में नई पर्यटन सर्किट परियोजनाएं क्रियान्वित करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) राज्य में वर्तमान शिवगिरी पर्यटन सर्किट के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है तथा जारी और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इस परियोजना के कार्यान्वयन में हुए विलंब का संज्ञान लिया है;

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा परियोजना को बिना किसी और विलंब के पूरा करने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इस परियोजना हेतु निधि की अगली किस्त कब तक जारी की जाएगी?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन सुविधाओं/ बुनियादी संरचनाओं के संवर्धन के लिए अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत राज्य सरकारों/ संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है और इस योजना के तहत केरल राज्य में इको, ग्रामीण और आध्यात्मिक परिपथ विषयों के तहत 312.47 करोड़ रुपये की पांच परियोजनाओं को पहले ही स्वीकृति प्रदान कर चुका है।

अब पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में नया रूप दिया है, जिसका उद्देश्य गंतव्य और पर्यटन-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए सतत और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों का विकास करना है। राज्यों तथा संघ राज्यक्षेत्रों के परामर्श से और योजना के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, मंत्रालय ने केरल में 'कुमारकोम' और 'कोझिकोड (बेपोर)' सहित एसडी 2.0 के तहत विकास के लिए देश के 32 राज्यों/ संघ शासित प्रदेशों में 57 स्थलों को अधिसूचित किया है। एसडी 2.0 के तहत केरल राज्य में 13.92 करोड़ रुपये की लागत वाली 'कुमारकोम पक्षी अभयारण्य अनुभव' परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत एक उप-योजना 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' के लिए दिशानिर्देश भी जारी किए हैं, जिसके तहत पर्यटन मंत्रालय ने विकास के

लिए 42 स्थलों की पहचान की है, जिनमें केरल राज्य में संस्कृति और विरासत स्थलों की श्रेणी में 'वर्कला' और आध्यात्मिक स्थलों की श्रेणी में 'तलास्सेरी' शामिल हैं।

(ख) से (ड़): पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2018-19 में स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत "शिवगिरी श्री नारायण गुरु आश्रम - अरुविपुरम - कुन्नुमपारा श्री सुब्रह्मण्यम - चेम्बजंथी श्री नारायण गुरुकुलम का विकास" परियोजना को मंजूरी दी थी, जिसकी वर्तमान स्वीकृत लागत 66.42 करोड़ रुपये है। भारत पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (आईटीडीसी) इस परियोजना की कार्यान्वयन एजेंसी है। पर्यटन मंत्रालय ने 42.01 करोड़ रुपये जारी करने को अधिकृत किया है, जबकि कार्यान्वयन एजेंसी ने 15 जुलाई, 2024 तक 26.54 करोड़ रुपये का उपयोग किया है। मंत्रालय द्वारा पहले से अधिकृत राशि के उपयोग प्रमाण-पत्र प्राप्त होने पर तथा योजना दिशा-निर्देशों में निर्धारित किस्तों और शर्तों के अनुसार अगली बार राशि जारी करने का प्राधिकार जारी किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय समय-समय पर परियोजना की प्रगति की समीक्षा करता है तथा परियोजना के पूरा होने में देरी को नोट करता है। मंत्रालय ने कार्यान्वयन एजेंसी को स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय करके कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया है।

कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा परियोजना में निम्नलिखित कार्यों के वास्तविक रूप से पूरा होने की सूचना दी गई है:-

(i) अरुविप्पुरमः
सामुदायिक रसोई, सार्वजनिक सुविधाएं, व्यू डेक पॉइंट, विश्राम भवन, प्रवेश द्वार, 8 सीटर और 4 सीटर बैटरी चालित इलेक्ट्रिक वाहनों की आपूर्ति और परीक्षण, सीसीटीवी कैमरा और एलईडी सोलर स्ट्रीट लाइट की आपूर्ति स्थापना परीक्षण और चालू करना।

(ii) कुन्नुमपाराः
पर्यटक सुविधा केंद्र, प्रवेश द्वार, ओवरहेड टैंक, व्यू पॉइंट डेक, सार्वजनिक सुविधा, क्राफ्ट बाजार और एलईडी सोलर स्ट्रीट लाइट की आपूर्ति स्थापना परीक्षण और चालू करना।

(iii) चेम्पाजंथीः
पार्किंग और अन्य विकास कार्य, जल कियोस्क, वर्षा जल संचयन, पर्यटक सुविधा केंद्र और एलईडी सौर स्ट्रीट लाइट की आपूर्ति स्थापना परीक्षण और चालू करना।

(iv) शिवगिरीः
पार्किंग, वर्षा आश्रय, बस शेल्टर, पानी की टंकी, 8 सीटर और 4 सीटर बैटरी चालित इलेक्ट्रिक वाहन की आपूर्ति और परीक्षण, सीसीटीवी कैमरा, एलईडी सौर स्ट्रीट लाइट की आपूर्ति स्थापना परीक्षण और चालू करना और अंडर ग्राउंड एचटी/एलटी केबल कार्य की आपूर्ति स्थापना परीक्षण और संस्थापना।

*****